मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 22 जुलाई 2014

# जोधपुर

## जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 22-07-14 | 23-07-14 | 24-07-14 | 25-07-14 | 26-07-14 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 10 | 10 | 9 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 37 | 36 | 36 | 35 | 35 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 28 | 28 | 27 | 26 | 26 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 7 | 8 | 7 | 8 | 6 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 76 | 81 | 75 | 79 | 73 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 42 | 60 | 55 | 61 | 46 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 26 | 28 | 20 | 35 | 26 |
| हवा की दिशा | पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

## वर्षा की संभावना

खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों की बुवाई करें,

मूंग :– के 851, आर.एम.जी 62, आर.एम.जी 268, आर.एम.जी 344, एस.एम.एल 668

मोठ :– आर.एम.ओ 40, आर.एम.ओ 435, आर.एम.ओ 257, काजरी मोठ-2

ग्वार :– आर.जी.सी 936, आर.जी.सी 1002, आर.जी.सी 1003, आर.जी.सी 1017, आर.जी.एम 112

चवला :– वी 16, आर एस 9, आरसी 19, जीसी 152

तिल :– आर टी 46, आर टी 125, आर टी 127, आर टी 346, प्रमुख किस्मों की बुवाई करें।

किसान भाई बाजरा व मूंग या बाजरा व मोठ की मिलवां खेती करें।

जिन किसानों ने खेत में बाजरा, मूंग, मोठ, तिल व चवला कि बिजाई पूरी कर ली हैं वे खेत की मेड़ ठिक कर लें तथा खेत में चिडियों की निगरानी करें।

यदि बाजरा की बुवाई के बाद खेत में पपड़ी बन गयी हो तो उसे कस्सी या पपड़ी तोडने वाले यन्त्रों से तुरन्त तोड़ दें।

वर्षा काल में होने वाली अगेती सब्जियों की बिजाई करले। ठिंड़ा, ककडी, लोकी, हरा धनिया भिंडी तथा अगेती सब्जी वाला ग्वार में सिचाई देना जारी रखे।

फलदार पौधे लगाने का यह उचित समय है। तैयार गड्डों में पौधे के अनुसार निश्चित सिफारिश की दूरी पर अच्छी किस्म के पौधे लगा देवें।

पशुओं को कुपोषण से बचाने के लिए भूसा या सूखे चारे को 4 प्रतिशत यूरिया से उपचारित करके खिलाएं।

सभी पशुओं को लवण, विटामिन्स मिश्रण निम्न मात्रा में खिलाना चाहिए। दुधरू गाय/भैंस–25 से 30 ग्राम, बाखडी गाय/भैंस–10 से 15 ग्राम, प्रति बछडी/पाडी–10 से 15 ग्राम, भेड़/बकरी–3 से 5 ग्राम प्रति दिन दाने के साथ खिलाना चाहिए।